बड़े भाई साहब

कक्षा-दसवी

विषय-हिन्दी

पाठ -१

पाठ का नाम –बड़े भाई साहब

PPT-4

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

बड़े भाई साहब पाठ की व्याख्या

- शब्दार्थ
- चेष्टा - कोशिश
  दबे पाँव - बिना आवाज़ के
  विपत्ति - मुसीबत
  फटकार - डाँट
  घुड़कियाँ - गुस्से से भरी बातें सुनना
  तिरस्कार - अपमान
- (टाइम टेबिल का पालन न करने पर क्या हरकत करता यहाँ इसका वर्णन है)
- जब लेखक समय सारणी का अनुसरण न करके खेल कर मैदान से वापिस आता तो लेखक भाई साहब की परछाइ से भी डर कर भाग जाता ,कोशिश करता कि उनकी नजरे उस पर ना पड़े, कमरे में बिना आवाज किये इस तरह आता कि भाई साहब को कोई खबर न लगे कि वह आया है। जब भाई साहब उसे आते हुए देख लेते तो उसकी तो मानो जान ही चली जाती। उसे हमेशा लगता था कि उसके सर पर कोई तलवार लटक रही है जो कभी भी उसके टुकड़े कर सकती है। फिर भी जिस तरह मौत और मुसीबत के बीच फ़सा आदमी मोह-माया को छोड़ने में नाकाम रहता है उसी तरह वह भी भाई साहब की डाँट और गुस्से से भरी बातो पर ध्यान दे कर खेलकूद का अपमान नहीं कर सकता था अर्थात खेलकूद नहीं छोड़ सकता था।
- सालाना इम्तिहान हुआ। भाई साहब फ़ेल हो गए और मैं पास हो गया और दुरजे में प्रथम आया। मेरे और उनके बीच केवल दो साल का अंतर रह गया। जी में आया, भाई साहब को आड़े हाथों लूं 'आपकी वह घोर तपस्या कहाँ गई ? मुझे देखिये मज़े से खेलता भी रहा और दरजे में अव्वल भी हूं। ' लेकिन वह इतने दुखी और उदास थे कि मुझे उनसे दिली हमदर्दी हुई और उनके घाव पर नमक छिड़कने का विचार ही लज्जास्पद जान पड़ा। हां,अब मुझे अपने ऊपर कुछ अभिमान हुआ और आत्मसम्मान भी बड़ा

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

- सालाना - वार्षिक
  इम्तिहान - परीक्षा
  अव्वल - प्रथम
  लज्जास्पद - शर्मनाक
  अभिमान – घमण्ड
- वार्षिक परीक्षा हुई। भाई साहब फेल हो गए और लेखक पास हो गया और लेखक अपनी कक्षा में प्रथम आया। अब लेखक और भाई साहब के बीच केवल दो साल का ही अंतर रह गया था। लेखक के मन में तो आया कि वह भाई साहब को सीधे जा कर पूछ ले कि कहां गई उनकी घोर तपस्या अर्थात क्या फायदा हुआ उनका इतनी मेहनत करने का।लेखक को देखिये वह सारा साल मज़े से अपने खेल का आनन्द भी लेता रहा और अपनी कक्षा में प्रथम भी आ गया। लेकिन भाई साहब इतने उदास और दुखी थे कि लेखक को उनसे दिल से हमदर्दी हो रही थी और उनके दुःख पर उनका मज़ाक बनाना उसे बहुत शर्मनाक लगा। लेकिन इस बात से उसे अपने ऊपर घमण्ड हो गया था और उसके अंदर आत्मसम्मान भी बढ़ गया था।
- भाई साहब का वह रौब मुझ पर न रहा। आज़ादी से खेलकूद में शरीक होने लगा। दिल मज़बूत था। अगर उन्होंने फिर मेरी फ़जीहत की,तो साफ़ कह दूंगा -'आपने अपना खून जलाकर कौन सा तीर मार लिया। मैं तो खेलते - कूदते दरजे में अव्वल आ गया। 'ज़बान से यह हेकड़ी जताने का सहस न होने पर भी मेरे रंग - ढंग से साफ़ ज़ाहिर होता था की भाई साहब का वह आतंक मुझ पर नहीं था।
- रौब - डर
  शरीक - शामिल
  हेकड़ी - घमण्ड
  ज़ाहिर - स्पष्ट
  आतंक - भय

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

भाई साहब के फेल होने की वजह से लेखक के व्यवहार में क्या अंतर आया यहाँ इसका वर्णन किया गया है)

भाई साहब का लेखक पर अब कोई डर नहीं रहा लेखक जब चाहता जितना चाहता खेलकद में उतना शामिल होने लगा। मन में यह ठान रखी थी कि अगर उन्होंने फिर से उसकी बेज्जती की या फिर से उसे कोई सलाह दी तो वह उनसे साफ कह देगा - 'आपने इतनी कड़ी मेहनत कर के कौन सा तीर मार लिया ,मुझे देखो मैं खेलता कूदता भी रहा और अपनी कक्षा में प्रथम भी आ गया। लेखक को अपने ऊपर इतना घमड होने के बाद भी जुबान में इतनी हिम्मत नहीं हुई कि ये सब भाई साहब से कह सके परन्तु लेखक के व्यवहार से यह साफ़ पता चलता था कि उस पर अब भाई साहब का वह पहले जैसा डर नहीं रहा था।

- भाई साहब ने इसे भाँप लिया, उनकी सहज बुद्धि बड़ी तीव्र थी और एक दिन जब मैं भोर का सारा समय गुल्ली - डंडे की भेंट करके ठीक भोजन के समय लौटा, तो भाई साहब ने मानो तलवार खींच ली और मुझ पर टूट पड़े-देखता हूँ, इस साल पास हो गए और दरजे में अव्वल आ गए, तो तुम्हें दिमाग हो गया है ,मगर भाईजान घमण्ड तो बड़े - बड़े का नहीं रहा, तुम्हारी क्या हस्ती है?
- भाँप लिया - जान लिया
  सहज बुद्धि - सामान्य बुद्धि
  हस्ती – अस्तित्व
- भाई साहब इस बात को समझ गए थे कि छोटा भाई अब उनसे नहीं डरता क्योंकि भाई साहब की सामान्य बुद्धि बहुत अधिक तेज़ थी। एक दिन जब लेखक सुबह का सारा समय गुल्ली डडा खेल कर ठीक भोजन के समय कमरे में लौटा तो भाई साहब के क्रोध की कोई सीमा नहीं थी वे उसे बुरी तरह डाँटने लगे कि वे भी देखेंगे कि इस साल तो लेखक पास हो गया और अपनी कक्षा में प्रथम भी आ गया, तो लेखक अपने आप को दिमाग वाला समझने लगा है, परन्तु भाईजान घमण्ड ने बड़े बड़ों को झुका दिया तो लेखक का अभी अस्तित्व ही क्या है?
-

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

- बड़े भाई साहब डांटते हुए कह रहे थे कि इतिहास में लेखक ने रावण के बारे में तो पढ़ा ही होगा। उसके व्यवहार से लेखक ने क्या सीखा? कुछ सीखा भी या ऐसे ही पढ़ लिया। सिर्फ़ परीक्षा ही पास कर लेने से कुछ नहीं होता, बुद्धि का विकास सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है। बड़े भाई साहब लेखक से कहते है कि जो कुछ वह पढता है उसे समझ कर पढ़ा करे ऐसे ही न पढ़ ले रावण पूरी धरती का स्वामी था। ऐसे राजाओं को चक्रवर्ती कहते हैं क्योंकि उनसे सभी डरते थे। आजकल अंग्रेजों का राज्य भी बहुत बड़ा हुआ है परन्तु उनको चक्रवर्ती नहीं कहा जा सकता क्योंकि संसार के बहुत से राष्ट्र हैं जिन्होंने अंग्रेजों की गुलामी को स्वीकार नहीं किया है और स्वतंत्रता से रह रहे हैं।

- रावण चक्रवर्ती राजा था। संसार के सभी महीप उसे कर देते थे। बड़े - बड़े देवता उसकी गुलामी करते थे। आग और पानी के देवता भी उसके दास थे, मगर उसका अंत क्या हुआ ? घमण्ड ने उसका नाम निशान तक मिटा दिया, कोई उसे एक चुल्लू पानी देने वाला भी नहीं बचा आदमी और जो कुकर्म चाहे करे, पर अभिमान ना करे, इतराये नहीं। अभिमान किया और दीन दुनिया दोनों से गया।
- महीप - राजा
  कुकर्म - बुरा काम
  अभिमान – घमण्ड
- (यहाँ पर बड़े भाई साहब छोटे भाई को घमंड करने के नुक्सान बता रहें हैं।)

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

- रावण एक चक्रवर्ती राजा था अर्थात वह पूरे संसार का राजा था। संसार के दूसरे राजा उसके दास थे और उसको कर (टेक्स) देते थे। बड़े -बड़े देवता उसकी गुलामी करते थे। आग और पानी के देवता भी उसके दास थे। परन्तु इतना सब कुछ होने के बाद भी उसका अंत क्या हुआ ? घमंड ने उसे कहीं का नहीं छोड़ा। उसके घमंड के कारण उसके परिवार का भी नाश हो गया कोई उसे अंत में पानी तक पिलाने वाला नहीं बचा। इसान चाहे कोई भी बुरा काम कर ले परन्तु उसे घमंड नहीं करना चाहिए। घमंड करने वाला व्यक्ति परिवार और दुनिया दोनों में से कहीं रहने लायक नहीं रहता।
- शैतान का हाल भी पढ़ा ही होगा।उसे भी अभिमान हुआ था ईश्वर का उससे बढ़ कर सच्चा भक्त कोई है ही नहीं। अंत में यह हुआ कि स्वर्ग से नर्क में ढकेल दिया गया। शाहेरूम ने भी एक बार अहकार किया था। भीख मांग - मागकर मर गया। तुमने तो केवल एक दर्जा पास किया है और अभी से तुम्हारा सर फिर गया, तब तो तुम आगे पढ़ चुके।
- सर फिर गया - लापरवाह होना
- (यहाँ भाई साहब घमंडियों के उदाहरण दे रहे हैं)
- लेखक ने शैतान के बारे में तो पढ़ा ही होगा कि किस तरह उसे घमंड हो गया था कि ईश्वर का उससे अधिक सच्चा भक्त कोई है ही नहीं। और इस घमंड के कारण ऊपर स्वर्ग से सीधे नर्क में फेंक दिया गया था। शाहेरूम ने भी एक बार घमंड किया था और फिर पूरी जिंदगी भीख मांग - मांग कर खाना पड़ा और अंत में उसी तरह मर गया।लेखक ने तो केवल अभी पहली कक्षा ही पास की है और लेखक अभी से लापरवाह हो गया है। इस कारण लेखक का आगे पढ़ना मुश्किल लग रहा है।
- यह समझ लो कि तुम अपनी मेहनत से नहीं पास हुए, अंधे के हाथ बटेर लग गई। मगर बटेर केवल एक बार हाथ लग सकती है, बार - बार नहीं लग सकती। कभी कभी गुल्ली - डंडे में भी अँधा चोट निशाना पड़ जाता है। इससे कोई सफल खिलाडी नहीं हो जाता। सफल खिलाडी वो है जिसका कोई निशाना खाली न जाये।
- अंधे के हाथ बटेर लगना - बिना प्रयास बड़ी चीज पा लेना
  अँधा चोट निशाना - अनजाने में सही निशाना लगाना

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

- बड़े भाई साहब कहते है कि लेखक को भी यह पता है कि वह कोई अपनी मेहनत से पास नहीं हुआ है, उसे बिना प्रयास के ही सफलता मिली है। बिना प्रयास के सफलता एक बार मिल सकती है बार - बार नहीं यह लेखक अच्छी तरह जनता है। कभी - कभी अगर गुल्ली - डंडे में भी अनजाने में सही निशाना लग जाये तो इससे हम उस निशाने लगाने वाले को सफल खिलाडी नहीं मान सकते। सफल खिलाडी उसी को कहा जा सकता है जिसका एक भी निशाना खाली ना जाये।
- मेरे फेल होने पर मत जाओ, मेरे दरजे में आओगे, तो दाँतों पसीना आ जायेगा,जब अलजबरा और जामेट्री के लोहे के चने चबाने पड़ेंगे और इंग्लिस्तान का इतिहास पढ़ना पड़ेगा। बादशाहों के नाम याद रखना कोई आसान नहीं। आठ - आठ हेनरी हो गुजरें हैं। कौन सा कांड किस हेनरी के समय में हुआ, क्या यह याद कर लेना आसान समझते हो ?
- दाँतों पसीना आ जाना - बहुत मेहनत करना
  लोहे के चने चबाना - कठोर परिश्रम करना
  कांड – घटना
- (यहाँ भाई साहब अपनी कक्षा की कठिन पढाई का वर्णन कर रहे हैं)
- बड़े भाई साहब लेखक को कहते हैं कि वे ये मत सोचो कि वे फेल हो गए हैं, बड़े भाई साहब लेखक को कहते हैं कि जब जब वह उनकी कक्षा में आएगा, तब उसे पता चलेगा कि कितनी मेहनत करनी पड़ती है। जब अलजेबरा और जामेट्री करते हुए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा और इंग्लिस्तान का इतिहास याद करना पड़ेगा तब उसे पता चलेगा। बादशाहों के नाम याद रखने में ही कितनी परेशानी होती है। हेनरी नाम के ही आठ - आठ बादशाह हुए हैं। कौन सी घटना किस हेनरी के समय में हुई है क्या लेखक इसको याद करना इतना आसान समझता है ?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

- हेनरी सातवें की जगह हेनरी आठवाँ लिखा और सब नंबर गायब। सफ़ाचट। सिफ़र भी ना मिलेगा, सिफ़र भी। हो किस ख़याल में। दरज़नों तो जेम्स हुए हैं, दरजनों विलियम, कोड़ियों चार्ल्स। दिमाग चक्कर खाने लगता है। आँधी रोग हो जाता है। इन अभागों को नाम भी न जुड़ते थे। एक ही नाम के पीछे दोयम, सोयम, चाहरूम, पंचुम लगाते चले गए। मुझसे पूछते तो दस लाख नाम बता देता।
- सफ़ाचट - बिलकुल साफ़
  सिफ़र - शून्य
- अगर हेनरी सातवें की जगह गलती से हेनरी आठवाँ लिख दिया तो समझो सारे नंबर गायब। बिलकुल साफ़। समझ लो शून्य भी नहीं मिलेगा। लेखक को लगता है कि वह किस्मत से पास हो जाएगा। दरजनों के हिसाब से जेम्स, विलियम और चार्ल्स हुए हैं। दिमाग काम करना बंद कर देता है । आँखों से दिखना बंद हो जाता है। ऐसा लगता है बेचारों को नाम रखने भी नहीं आते थे। एक ही नाम के पीछे दोयम, सोयम, चाहरूम, पंचुम लगा कर काम चलाते थे। बड़े भाई साहब कहते है कि अगर उनसे नाम पूछते तो दस लाख नाम बता देते।
- और ज्ञामेट्री तो बस, खुदा की पनाह। अ ब ज की जगह अ ज ब लिख दिया और सारे नंबर कट गए। कोई इन निर्दयी ममतहिनों से नहीं पूछता कि आखिर अ ब ज और अ ज ब में क्या फ़र्क है, और व्यर्थ की बात के लिए क्यों छात्रों का खून करते हो। दाल - भात - रोटी खाई या भात - दाल -रोटी खाई इसमें क्या रखा है, मगर इन परीक्षकों को क्या परवाह। वह तो वही देखते हैं जो पुस्तकों में लिखा है। चाहते हैं की लड़के अक्षर - अक्षर रट डालें। और इसी रटत का नाम शिक्षा रख छोड़ा है और आखिर इन बे-सिर-पैर की बातों के पढ़ने से फ़ायदा ?
- पनाह - शरण
  निर्दयी - जिसमें दया न हो
  ममतहिनों - परीक्षक
  बे -सिर -पैर - बिना अर्थ का

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

संबधित प्रश्न

- हेनरी सातवें की जगह हेनरी आठवाँ लिखा और सब नंबर गायब-येसा क्यों कहा गया है ?
- मेरे फेल होने पर मत जाओ-कौन किसीसे कब कहा ?
- दाँतों पसीना आ जाना-मुहाबरे का क्या अर्थ है ?
- रावण कैसा राजा था ?
- कौनसे देवता रावण के दास थे ?
- शैतान के बारें में पाठ में क्या बताया गया ?
- यह समझ लो कि तुम अपनी मेहनत से नहीं पास हुए, अंधे के हाथ बटेर लग गई-आशय क्या है ?
- घमंड कौन करता था और क्यों ?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow